GRADE 4

कक्षा - 4				
पाठ – 1 मन के भोले भाले बादल	सरल अन्वेषण	विद्यार्थियों को प्रकृति के प्रति अग्रसर करना और उनका मनोरंजन करना | विद्यार्थियों को समय अनुसार प्रक्रति के नियमों की जानकारी देना |		कहानी ,कविता तथा अन्य सामग्री को समझते हुए उसमें अपनी कहानी /बात जोड़ते है |
	श्रवण – वाचन कौशल का विकास	कविता सुनने के बाद विद्यार्थी कविता के काव्यांशों से संबंधित प्रश्नों के मौखिक उत्तर चार – पाँच वाक्यों ,जो 20 से 25 शब्दों के हो , देने में समर्थ होंगे | प्रकृति की मानवीकरण के बारे में चर्चा करते हुए बच्चे बारी – बारी से पाठ के अंशों को पढेंगे तथा ध्यानपूर्वक सुनकर पाठ से शिक्षा ग्रहण करेंगे | पाठ विस्तार में सहायक स्मार्ट बोर्ड ,दृश्य –श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाएँ रखना |जैसे पीपीटी ,ऑडियो ,विडियो आदि | दृश्य –श्रव्य माध्यम द्वारा कविता के अर्थ ग्रहण करना और सामग्री को अच्छे से समझकर ,सुनकर नवीन शब्दों के अर्थ को जानने की क्षमता का विकास करना कविता के माध्यम से वर्षा की अधिकता के कारण बाढ़ से होने वाली परेशनियों पर चर्चा करना | |	पठित पद्यांश का अभ्यास करवाया जाएगा |	
	पठन कौशल का विकास	शिक्षिका की सहायता से विद्यार्थी पाठ पढ़ेंगे ,जिससे पठन कौशल का विकास होगा वे कविता के कम से कम पाँच वाक्य धारा प्रवाह पढ़ने में सक्षम होंगे |	सभी बच्चों से बारी –बारी से कविता की पंक्तियाँ पढ़वाई जाएँगी |	
	लेखन कौशल का विकास	छात्र चार प्रश्नों का उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिख पाएँगे | ऋतुओं के विषय में लिखवाकर कक्षा में छात्रों के लेखन कौशल को जानना | सभी विद्यार्थी पाठ के आधार पर अनुच्छेद लेखन /कहानी लेखन/कविता लेखन आदि कार्य करेंगे | कागज़ की नाव बनाकर रचनात्मक क्रियाकलाप कराना |	ऋतुओं के बारे में रचनात्मक लेखन करवाया जाएगा | कौन – कौन सी ऋतुओं होती है |किस मौसम में कौन सी ऋतु आती है |	

	शब्द कौशल का विकास	सभी विद्यार्थी पाठ की समाप्ति पर कम से कम पाँच नवीन शब्दों को जानेगें |जैसे बादल ,भोला ,शैतानी ,तूफ़ानी बाढ़ | सभी विद्यार्थी कम से कम दो वाक्यों का निर्माण करेंगे | जैसे – भोला – बच्चे मन के भोले होते है |	सभी बच्चे स्वयं नवीन शब्दों को लिखेंगे व उनके अर्थ भी |	
	विभेदित मूल्यांकन	निम्नलिखित माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना : परिचर्चा – पाठ के आधार पर | लघु प्रश्न – निर्माण के माध्यम से कक्षा परीक्षा के माध्यम से श्रुतलेख के माध्यम से |	कक्षा परीक्षा द्वारा मुल्यांकन किया जाएगा |	
	नैतिक शिक्षा	शिक्षिका द्वारा विद्यार्थियों को प्रकृति के प्रति प्रेरित करना , उसकी सुन्दरता और निश्छल भाव को दर्शाना आदि नैतिक मूल्यों पर बल दिया जाएगा |		
पाठ - 2 जैसा सवाल वैसा जबाब				
	सरल अन्वेषण	विद्यार्थियों को पाठ के माध्यम से मनोरंजन कराना | विद्यार्थियों को समस्याओं का सरलता से हल करना सिखाना |		सभी विद्यार्थी भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए अपनी भाषा समझते है और उसका इस्तमाल करते है |
	श्रवण – वाचन कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित प्रश्नों के मौखिक उतर चार –पाँच वाक्यों , जो लगभग 20 से 25 शब्दों के हो देने में समर्थ होंगे | जीवन की समस्याओं को आसानी से हल करने के बारे में चर्चा करते हुए शिक्षिका पाठ को पढ़ेगी तथा विद्यार्थी ध्यानपूर्वक सुनकर पाठ से शिक्षा ग्रहण करेंगे | पाठ विस्तार में सहायक –स्मार्ट बोर्ड ,दृश्य –श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाए रखना |जैसे पी.पी.टी.,ऑडियो ,विडिओ आदि | दृश्य –श्रव्य माध्यम द्वारा पाठ के अर्थ को ग्रहण करना और सामग्री को अच्छे से समझकर ,सुनकर नवीन शब्दों के अर्थ को जानने की क्षमता का विकास करना |	अध्यापक पाठ पढेंगे व अच्छे से समझाएँगे | उसके बाद कक्षा के सभी बच्चों से पाठ वाचन करवाया जाएगा |	
	पठन कौशल का विकास	शिक्षिका की सहायता से विद्यार्थी पाठ पढ़ेंगे ,जिससे पठन कौशल का विकास होगा | वे कविता से कम से कम पाँच वाक्य धारा प्रवाह से पढ़ने में सक्षम होंगे |	सभी बच्चे कविता वाचन लय में करेंगे |	

	लेखन कौशल का विकास	छात्र चार –पाँच प्रश्नों के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिख पाएँगे | सभी विद्यार्थी पाठ के आधार पर अनुच्छेद लेखन /कहानी लेखन /कविता लेखन आदि कार्य करेंगे |	छात्रों को कविता लेखन का अभ्यास करवाया जाएगा |	
	शब्द कौशल का विकास	सभी विद्यार्थी पाठ की समाप्ति पर कम से कम पाँच नवीन शब्दों को जानेंगे | जैसे – बुद्धिमान ,अभिमान ,कोशिश ,पसंद ,विश्वास सभी विद्यार्थी कम से कम दो वाक्यों का निर्माण करेंगे |	कठिन शब्दों से वाक्य निर्माण करवाया जाएगा |	
	विभेदित मुल्यांकन	निम्नलिखित माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मुल्यांकन करना : परिचर्चा – पाठ के आधार पर | लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से | कक्षा परीक्षा के माध्यम से श्रुतलेख के माध्यम से |	लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से | कक्षा परीक्षा के माध्यम से श्रुतलेख के माध्यम से कक्षा परीक्षा द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा |	
	नैतिक शिक्षा	शिक्षिका द्वारा विद्यार्थियों को पाठ के माध्यम से जीवन की यथार्थता से परिचित कराना आदि नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया जाएगा |		
पाठ -3 पापा जब बच्चे थे	सरल अन्वेषण	विद्यार्थियों को शेख चिल्ली की कहानियाँ सुनाना |		सभी विद्यार्थी स्तरानुसार अन्य विषयों ,व्यवसायों कलाओं आदि गणित ,विज्ञान सामाजिक अध्ययन ,नृत्य कला ,चिकित्सा आदि की सराहना करते है |
	श्रवण –वाचन कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से संबंधित प्रश्नों के मौखिक उत्तर चार से पाँच वाक्यों , जो लगभग 20 से 25 शब्दों के हो देने में समर्थ होंगे | बच्चों के बाल मन के भाव और उनके स्वभाव के बारे में चर्चा करते हुए शिक्षिका पाठ को पढ़ेगी तथा विद्यार्थी ध्यानपूर्वक सुनकर पाठ से शिक्षा ग्रहण करेंगे | पाठ विस्तार में सहायक स्मार्ट बोर्ड,दृश्य –श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाए रखना |जैसे पी.पी.टी.,ऑडियो ,वोडियो आदि | दृश्य –श्रव्य माध्यम द्वारा पाठ के अर्थ को ग्रहण करना और सामग्री को अच्छे से समझकर ,सुनकर नवीन शब्दों के अर्थ को जानने की क्षमता का विकास करना |	अध्यापक पाठ पढेंगे व अच्छे से समझाएँगे | उसके बाद कक्षा के सभी बच्चों से पाठ वाचन करवाया जाएगा |	

	पठन कौशल का विकास	शिक्षिका की सहायता से विद्यार्थी पाठ पढ़ेंगे ,जिससे पठन कौशल का विकास होगा ,वे पाठ के कम से कम पाँच वाक्य धारा प्रवाह से पढ़ पाएँगे |	सभी बच्चों से पाठ वाचन करवाया जाएगा |	
	लेखन कौशल का विकास	बच्चे पाठ में आए बाल मन के अस्थिर स्वभाव को ध्यान में रखते हुए स्वयं को मुख्य चरित्र मानकर कहानी को लिखने में समर्थ होंगे | छात्र चार –पाँच प्रश्नों के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिख पायेंगे | सभी विद्यार्थी पाठ के आधार पर अनुच्छेद लेखन/कहानी लेखन /कविता लेखन आदि कार्य करेंगे |	पाठ के आधार पर कहानी लेखन सिखाया जाएगा |	
	शब्द कौशल का विकास	सभी विद्यार्थी पाठ की समाप्ति पर कम से कम पाँच नवीन शब्दों को जानेंगे | जैसे चौकीदार ,हैरानी ,यात्रा ,समस्या ,मुश्किल | सभी विद्यार्थी कम से कम दो वाक्यों का निर्माण करेंगे | जैसे चौकीदार –चौकीदार हमारी सुरक्षा करते है |	वाक्य निर्माण व श्रुतलेख का अभ्यास करवाया जाएगा	
	विभेदित मुल्यांकन	निम्नलिखित माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना : परिचर्चा – पाठ के आधार पर | लघु प्रश्न – निर्माण के माध्यम से कक्षा परीक्षा के माध्यम से श्रुतलेख के माध्यम से |	कक्षा परीक्षा द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा |	
	नैतिक मूल्य	शिक्षिका द्वारा विद्यार्थियों को पाठ के माध्यम से जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने आदि नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया जाएगा |		
पाठ- 4 दोस्त की पोशाक	सरल अन्वेषण	विद्यार्थियों को राजाओ की कहानियां सुनाना |पाठ के माध्यम से परिधानों पर चर्चा करना |		सभी विद्यार्थी विभिन्न स्तिथियों और उद्ध्येश्यों (बुलेटिन बोर्ड पर लगाईजाने वाली सुचना कविता , कहानी आदि) के अनुसार लिखते है |
	श्रवण वाचन कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बंधित प्रश्नों के मौखिक उत्तर चार पांच वाक्यों जो लगभग २० से २५ शब्दों के हों देने मैं समर्थ होंगे | विभिन्न प्रकार कि पोशाको तथा उनकी आवश्यकताओं के बारे में चर्चा करते हुए शिक्षक पाठ को पढेंगे तथा विद्यार्थी ध्यान पूर्वक सुन कर पाठ से शिक्षा ग्रहण करेंगे| पाठ विस्तार में सहायक- स्मार्ट बोर्ड, दृश्य- श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाये रखना | दृश्य- श्रव्य माध्यम द्वारा पाठ के अर्थ को ग्रहण करना और सामग्री को अच्छे से समझकर, सुनकर नवीन	अध्यापक पाठ पढेंगे व अच्छे से समझाएँगे | उसके बाद कक्षा के सभी बच्चों से पाठ वाचन करवाया जाएगा |	

		शब्दों के अर्थ को जानने कि शमता का विकास करना।		
	पठन कौशल का विकास	शिक्षिका कि सहायता से विद्यार्थी पाठ पढेंगे, जिससे पठन कौशल का विकास होगा। वे पाठ के कम से कम पाँच वाक्यों (३०से४०शब्दों वाले) धाराप्रवाह पढ़ने मै सक्षम होंगे।	सभी बच्चों से पाठ वाचन करवाया जाएगा।	
	लेखन कौशल का विकास	छात्र चार प्रश्नों का उत्तर २०से २५अपने शब्दों मै लिख पाएँगे| अपने बचपन कि प्रिय पोशाक पर किस्से लिखकर लेखन कौशल बढ़ाना| सभी विद्यार्थी पाठ के आधार पर अनुच्छेदलेखन / कहानी लेखन / कविता लेखन आदि कार्य करेंगे।	बचपन की प्रिय पोशाक पर रचनात्मक लेखन करवाया जाएगा।	
	शब्द कौशल का विकास	सभी विद्यार्थी पाठ की समाप्ति पर कम से कम पाँच नवीन शब्दों को जानेंगे| जैसे:- पोशाक , पडोसी , परिचय, दोस्त, मुलाकात| सभी विद्यार्थी कम से कम दो वाक्यों का निर्माण करेंगे| जैसे-पडोसी- मेरे पडोसी बहुत अच्छे है। मुलाकात – मैंने अपने मित्र से मुलाकात की|	वाक्य निर्माण व कठिन शब्दों का अभ्यास करवाया जाएगा।	
	विभेदित मूल्यांकन	निमंलिखित माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना : परिचर्चा – पाठ के आधार पर| लघु प्रशन निर्माण के माध्यम से। कक्षा परीक्षा के माध्यम से| श्रुतुलेख के माध्यम से।	निम्न के माध्यम से छात्रो का मूल्यांकन किया जाएगा। लघु प्रशन निर्माण के माध्यम से। कक्षा परीक्षा के माध्यम से| श्रुतुलेख के माध्यम से।	
	नैतिक मूल्य	शिक्षिका द्वारा विद्यार्थियों को पाठ के माध्यम से प्राचीन काल के राजाओ के गुणों द्वारा प्रोत्साहित करना आदि। नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया जायगा|		
पाथ 5 दान का हिसाब	सरल अन्वेषण	पाठ के माध्यम से दान ओर भीख मैं अंतर बताना।		सभी विद्यार्थी अलग अलग तरह की रचनाओ , बाल पत्रिका से पूर्ण विराम, अल्प विराम , प्रशन वाचक चिन्ह का इस्तेमाल करते है।
	श्रवण वाचन कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विध्यार्थी पाठ से सम्बंधित प्रश्नो के मौखिक उत्तर चार पाँच वाक्यों जो लगभग २०से २५ शब्दों में हो देने में समर्थ होंगे। दूसरों कि सहायता करने में चर्चा करते शिक्षिका पाठ को पढेंगे तथा विद्यार्थी ध्यान पूर्वक सुन कर पाठ से शिक्षा घ्रण करेंगे।	अध्यापक पाठ पढेंगे व अच्छे से समझाएँगे। उसके बाद कक्षा के सभी बच्चों से पाठ	

		पाठ विस्तार में सहायक- स्मार्ट बोर्ड, दृश्य- श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाये रखना | दृश्य- श्रव्य माध्यम द्वारा पाठ के अर्थ को ग्रहण करना और सामग्री को अच्छे से समझकर, सुनकर नवीन शब्दों के अर्थ को जानने कि शमता का विकास करना |	वाचन करवाया जाएगा |	
	पठन कौशल का विकास	शिक्षिका की सहायता से विद्यार्थी पाठ पढेंगे जिससे पठन कौशल का विकास होगा |वे पाठ के कम से कम पाँच वाक्य धारा प्रवाह से पढ़ने में	सभी छात्र पाठवाचन करेंगे |	

	लेखन कौशल का विकास	छात्र चार प्रश्नों के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिख पाएँगें । किसी एक दानवीर का किस्सा लिख कर लेखन कौशल बढ़ाना ।। सभी विद्यार्थी पाठ के आधार पर अनुच्छेद लेखन /कहानी लेखन /कविता लेखन आदि कार्य करेंगे ।	किसी एक दानवीर का किस्सा लिखने के लिए छात्रों को प्रेरित किया जाएगा ।	
	शब्द कौशल का विकास	सभी विद्यार्थी पाठ की समाप्ति पर कम से कम पाँच नवीन शब्द जानेंगे जैसे –विद्वान ,सज्जन सत्कार , अनाज , सुगन्धित। सभी विद्यार्थी कम से कम दो वाक्यों का निर्माण करेंगे जैसे –हम अतिथि का सत्कार करते है ।	वाक्य निर्माण करवाया जाएगा ।	
	विभेदित मुल्यांकन	निमंलिखित मध्यम से छात्रो क मुल्यंकन करना : परिचर्चा – पाठ के आधार पर। लघु प्रशन निर्माण के माध्यम से । कक्षा परीक्षा के माध्यम से। श्रुतुलेख के माध्यम से ।	निम्न के माध्यम से छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा । परिचर्चा – पाठ के आधार पर। लघु प्रशन निर्माण के माध्यम से । कक्षा परीक्षा के माध्यम से। श्रुतुलेख के माध्यम से ।	
	नैतिक मूल्यांकन	शिक्षिका द्वारा विद्यार्थीयों को परोपकारी बन्ने के लिए प्रेरित करना आदि नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया जायेगा।		
पाठ 6 – कौन ?	सरल अन्वेषण	विद्यार्थियों को कविता के माध्यम से घर मैं रहने वाले जीव जन्तुओ के बारे मैं बताना तथा उनसे बातचीत करना। कविता के माध्यम से घरेलू जीव जन्तुओ व चूहों पर चर्चा करना ।		

	श्रवण वाचन कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विध्यार्थी पाथ से सम्बंधित प्रश्नो के मौखिक उत्तर चार पाँच वाक्यों जो लगभग २०से २५ शब्दों में हो देने में समर्थ होंगे | सभी के प्रति परोपकारी बनने के बारे मैं चर्चा करते शिक्षक पाठ के पढेंगे तथा विद्यार्थी ध्यान पूर्वक पढ़कर शिक्षा ग्रहण करेंगे | पाठ विस्तार में सहायक- स्मार्ट बोर्ड, दृश्य- श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाये रखना | दृश्य- श्रव्य माध्यम द्वारा पाठ के अर्थ को ग्रहण करना और सामग्री को अच्छे से समझकर, सुनकर नवीन शब्दों के अर्थ को जानने कि शमता का विकास करना |	अध्यापक पाठ पढेंगे व अच्छे से समझाएँगे | उसके बाद कक्षा के सभी बच्चों से पाठ वाचन करवाया जाएगा |	
	पठन कौशल का विकास	शिक्षिका की सहायता से विद्यार्थी पाठ पढेंगे जिससे पठन कौशल का विकास होगा |वे पाठ के कम से कम पाँच वाक्य धारा प्रवाह से पढ़ने में सक्षम होंगे |	सभी छात्रों से पाठ वाचन करवाया जाएगा	
	लेखन कौशल का विकास	छात्र चार प्रश्नों के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिख पाएँगें | पहेलियों को लिख कर लेखन कौशल बढ़ाना | सभी विद्याथी पाठ के आधार पर अनुच्छेद लेखन /कहानी लेखन /कविता लेखन आदि कार्य करेंगे |	पहेलियाँ लिखवाकर लेखन कौशल बढ़ाया जाएगा |	
	शब्द कौशल का विकास	सभी विद्यार्थी पाठ की समाप्ति पर कम से कम पाँच नवीन शब्द जानेंगे जैसे –स्याही,रस्सी , अनजाने, पैसा , मिठाई | सभी विद्यार्थी कम से कम दो वाक्यों का निर्माण करेंगे | जैसे – अनजाने – हमे अनजाने मैं भी किसी को गलत बातें नहीं कहनी चाहिए |	नवीन शब्दों व वाक्य निर्माण का अभ्यास करवाया जाएगा |	
	विभेदित मुल्यांकन	निमंलिखित मध्यम से छात्रो क मुल्यंकन करना : परिचर्चा – पाठ के आधार पर| लघु प्रशन निर्माण के माध्यम से | कक्षा परीक्षा के माध्यम से| श्रुतुलेख के माध्यम से |	कक्षा परीक्षा द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा | शब्दार्थ ,कठिन शब्द ,वाक्य निर्माण ,प्र./उ.	
	नैतिक मूल्यंकन	शिक्षिका द्वारा विद्यार्थियों को कविता के माध्यम से जीव – जन्तुओ के लिए परोपकारी बनने आदि नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया जायेगा |		

पाठ – 7 स्वतंत्रता की ओर	सरल अन्वेषण	विद्यार्थियों को पाठ के माध्यम से स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए किये गए संघर्षो के बारे मैं बताना । पाठ के माध्यम से स्वतंत्रता के सेनानियों पर चर्चा करना ।		तरह -तरह की रचनाओ को समझकर पढ़ने के बाद उस पर अदाहित प्रश्न पूछते है /अपनी राय देता है/शिक्षक एवं अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करना , पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देते है ।
	श्रवण वाचन कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विध्यार्थी पाठ से सम्बंधित प्रश्नो के मौखिक उत्तर चार पाँच वाक्यों जो लगभग २०से २५ शब्दों में हो देने में समर्थ होंगे । स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए किये गए संघर्षो के बारे मैं चर्चा करते है ।शिक्षक पाठ को पड़ेंगे तथा विद्यार्थी ध्यान पूर्वक सुन कर पाठ से शिक्षा ग्रहण करेंगे । पाठ विस्तार में सहायक- स्मार्ट बोर्ड, दृश्य- श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाये रखना । दृश्य- श्रव्य माध्यम द्वारा पाठ के अर्थ को ग्रहण करना और सामग्री को अच्छे से समझकर, सुनकर नवीन शब्दों के अर्थ को जानने कि शमता का विकास करना ।	अध्यापक पाठ पढेंगे व अच्छे से समझाएँगे । उसके बाद कक्षा के सभी बच्चों से पाठ वाचन करवाया जाएगा ।	
	पठन कौशल का विकास	शिक्षिका की सहायता से विद्यार्थी पाठ पढ़ेंगे जिससे पठन कौशल का विकास होगा ।वे पाठ के कम से कम पाँच वाक्य धारा प्रवाह से पढ़ने में सक्षम होंगे ।	सभी छात्रों से पाठ वाचन करवाया जाएगा	
	लेखन कौशल का विकास	छात्र चार प्रश्नों के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिख पाएँगें । गाँधी जी की जीवनी को लिख कर लेखन कौशल बढ़ना। सभी विद्याथी पाठ के आधार पर अनुच्छेद लेखन /कहानी लेखन /कविता लेखन आदि कार्य करेंगे ।		
	शब्द कौशल का विकास	सभी विद्यार्थी पाठ की समाप्ति पर कम से कम पाँच नवीन शब्द जानेंगे जैसे –आश्रम, योजना, स्वतंत्रता कड़ी , रसोईघर । सभी विद्यार्थी कम से कम दो वाक्यों का निर्माण करेंगे । जैसे- स्वतंत्रता – स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए बहुत सारे नौजवानो ने अपना बलिदान दिया ।	नवीन शब्दों व वाक्य निर्माण का अभ्यास करवाया जाएगा ।	

	विभेदित मूल्यांकन	निमंलिखित मध्यम से छात्रो क मुल्यंकन करना : परिचर्चा – पाठ के आधार पर| लघु प्रशन निर्माण के माध्यम से | कक्षा परीक्षा के माध्यम से| श्रुतुलेख के माध्यम से |	कक्षा परीक्षा द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा | शब्दार्थ ,कठिन शब्द ,वाक्य निर्माण ,प्र./उ.	
	नैतिक मूल्यांकन	शिक्षिका द्वारा विद्यार्थियों को पाठ के माध्यम से देश से प्रेम करने के लिए प्रेरित करना आदि मूल्यों पर विशेष बल दिया जायेगा |		
पाठ – 8 – सुनीता की पहिया कुर्सी	सरल अन्वेषण	विद्यार्थियों को शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्ति के स्वाभिमान के परिचित करवाना | पाठ के माध्यम से दृढ इच्छा व्यक्ति पर चर्चा करना |		सभी विद्यार्थी पढ़ी गयी रचनाओ की विषय-वस्तु , घटनाओ,चित्रों, पात्रो , शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते है, प्रशन पूछते है,अपनी राय देते है तथा अपनी बात के लिए तर्क देते है | विभिन्न उद्देश्यों के लिये लिखते हुए अपने लेखन में विराम चिन्हों , जैसे- पूर्ण विराम,अल्प विराम,प्रश्नवाचक चिन्ह का सचेत इस्तेमाल करते है |
	श्रवण वाचन कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विध्यार्थी पाथ से सम्बंधित प्रश्नो के मौखिक उत्तर चार पाँच वाक्यों जो लगभग २०से २५ शब्दों में हो देने में समर्थ होंगे | शारीरिक रूप से विकलांग होने पर भी स्वाभिमान बनाये रखने के बारे में चर्चा करते शिक्षिका पाठ को पड़ेंगी तथा विद्यार्थी ध्यान पूर्वक सुनकर शिक्षा ग्रण करेंगे | पाठ विस्तार में सहायक- स्मार्ट बोर्ड, दृश्य- श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाये रखना | दृश्य- श्रव्य माध्यम द्वारा पाठ के अर्थ को ग्रहण करना और सामग्री को अच्छे से समझकर, सुनकर नवीन शब्दों के अर्थ को जानने कि शमता का विकास करना |	अध्यापक पाठ पढ़ेंगे व अच्छे से समझाएँगे | उसके बाद कक्षा के सभी बच्चों से पाठ वाचन करवाया जाएगा |	
	पठन कौशल का विकास	शिक्षिका की सहायता से विद्यार्थी पाठ पढेंगे जिससे पठन कौशल का विकास होगा | वे पाठ के कम से कम पाँच वाक्य धारा प्रवाह से पढ़ने में सक्षम होंगे |	सभी छात्रों से पाठ वाचन करवाया जाएगा	
	लेखन कौशल का विकास	छात्र चार प्रश्नों के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिख पाएँगें | बच्चो द्वारा कसीस कि मदद करने के विषय में लिखकर लेखन कौशल बढ़ाना | सभी विद्याथी पाठ के आधार पर अनुच्छेद लेखन /कहानी लेखन /कविता लेखन आदि कार्य करेंगे |		

	शब्द कौशल का विकास	सभी विद्यार्थी पाठ की समाप्ति पर कम से कम पाँच नवीन शब्द जानेंगे जैसे –कुर्सी, तैयार ,छुट्टी,धन्यवाद,व्यव्हार| सभी विद्यार्थी कम से कम दो वाक्यों का निर्माण करेंगे | जैसे-व्यव्हार – दुकानदार का व्यवहार अच्छा नहीं है |	नवीन शब्दों व वाक्य निर्माण का अभ्यास करवाया जाएगा |	
	विभेदित मूल्यांकन	निमंलिखित मध्यम से छात्रो क मुल्यंकन करना : परिचर्चा – पाठ के आधार पर| लघु प्रशन निर्माण के माध्यम से | कक्षा परीक्षा के माध्यम से| श्रुतलेख के माध्यम से |	कक्षा परीक्षा द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा | शब्दार्थ ,कठिन शब्द ,वाक्य निर्माण ,प्र./उ.	
	नैतिक मूल्यांकन	शिक्षिका द्वारा विद्यार्थियों को जीवन मैं मजबूती से समस्याओ से निपटने के लिए प्रेरित करना आदि मूल्यों पर विशेष बल दिया जायेगा |		
पाठ 10-हुदहुद	सरल अन्वेषण	विधार्थियों को पाठ के माध्यम से पक्षियों कि कल्पना के बारे मैं बातचीत करना |पाठ के माध्यम से पक्षियों के आकाश भ्रमण पर चर्चा करना |		सभी विद्यार्थी पढ़ी हुई सामग्री औत निजी अनुभवों को जोड़ते हुए उनसे उभरी संवेदनाओ और विचारो की मौखिक ,लिखित और अभिव्यक्ति करते है| स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधियों के अंतर्गत लेखन कि प्रक्रिया की बेहतर समझ के साथ अपने लेखन को जांचते है और लेखन के उद्देश्यों और पाठक के अनुसार लेखन मैं बदलाव करते है |
	श्रवण वाचन कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विध्यार्थी पाथ से सम्बंधित प्रश्नो के मौखिक उत्तर चार पाँच वाक्यों जो लगभग २०से २५ शब्दों में हो देने में समर्थ होंगे | पक्षियों के स्वाभाव के बारे मैं चर्चा करते हुए शिक्षिका पाठ को पढ़ेंगी तथा विद्यार्थी ध्यन पूर्वक सुनकर पाठ से शिक्षा ग्रहण करेंगे| पाठ विस्तार में सहायक- स्मार्ट बोर्ड, दृश्य- श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाये रखना | दृश्य- श्रव्य माध्यम द्वारा पाठ के अर्थ को ग्रहण करना और सामग्री को अच्छे से समझकर, सुनकर नवीन शब्दों के अर्थ को जानने कि शमता का विकास करना |	अध्यापक पाठ पढेंगे व अच्छे से समझाएँगे | उसके बाद कक्षा के सभी बच्चों से पाठ वाचन करवाया जाएगा |	
	पठन कौशल का विकास	शिक्षिका की सहायता से विद्यार्थी पाठ पढेंगे जिससे पठन कौशल का विकास होगा | वे पाठ के कम से कम पाँच वाक्य धारा प्रवाह से पढ़ने में सक्षम होंगे |	सभी छात्रों से पाठ वाचन करवाया जाएगा	

	लेखन कौशल का विकास	छात्र चार प्रश्नों के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिख पाएँगें । पक्षियों के बारे मैं लिखकर लेखन कौशल बढ़ाना । सभी विद्याथी पाठ के आधार पर अनुच्छेद लेखन /कहानी लेखन /कविता लेखन आदि कार्य करेंगे ।		
	शब्द कौशल का विकास	सभी विद्यार्थी पाठ की समाप्ति पर कम से कम पाँच नवीन शब्द जानेंगे जैसे –बादशाह, मदद, सलाह, वंश। सभी विद्यार्थी कम से कम दो वाक्यों का निर्माण करेंगे । जैसे-बादशाह-बादशाह की आज्ञा से सभी ने प्रस्थान किया ।	नवीन शब्दों व वाक्य निर्माण का अभ्यास करवाया जाएगा ।	
	विभेदित मूल्यांकन	निमंलिखित मध्यम से छात्रो क मुल्यंकन करना : परिचर्चा – पाठ के आधार पर। लघु प्रशन निर्माण के माध्यम से । कक्षा परीक्षा के माध्यम से। श्रुतुलेख के माध्यम से ।	कक्षा परीक्षा द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा । शब्दार्थ ,कठिन शब्द ,वाक्य निर्माण ,प्र./उ.	
	नैतिक मूल्यांकन	शिक्षिका द्वारा विद्यार्थियों कोपाठ के माध्यम से पक्षियों के स्वाभाव से अवगत कारंजा ;दुसरे पक्षियों की तुलना करने में समर्थ होने के लिए प्रेरित करना आदि मूल्यों पर विशेष बल दिया जायेगा ।		
पाठ 11 –मुफ्त ही मुफ्त	सरल अन्वेषण	विधार्थियों को पाठ के माध्यम से बिना पैसे के सामन ना खरीदने के बारे मैं प्रेरित करना ।		सभी विद्यार्थी दूसरो द्वारा कही जा रही बात को ध्यान पूर्वक सुनकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते है और प्रश्न पूछते है । अपनी कल्पना से कहानी.कविता,वर्ण आदि लिखते हुए भाषा का सृजनात्मक प्रयोग करते है ।

	श्रवण वाचन कौशल का विकास	पाठ सुनने के बाद विध्यार्थी पाथ से सम्बंधित प्रश्नो के मौखिक उत्तर चार पाँच वाक्यों जो लगभग २०से २५ शब्दों में हो देने में समर्थ होंगे | परिश्रम के बल के बारे मैं चर्चा करते हुए शिक्षिका पाठ को पढ़ेंगी तथा विद्यार्थी ध्यन पूर्वक सुनकर पाठ से शिक्षा ग्रहण करेंगे| पाठ विस्तार में सहायक- स्मार्ट बोर्ड, दृश्य- श्रव्य सामग्री के माध्यम से रोचकता बनाये रखना | दृश्य- श्रव्य माध्यम द्वारा पाठ के अर्थ को ग्रहण करना और सामग्री को अच्छे से समझकर, सुनकर नवीन शब्दों के अर्थ को जानने कि शमता का विकास करना |	अध्यापक पाठ पढेंगे व अच्छे से समझाएँगे | उसके बाद कक्षा के सभी बच्चों से पाठ वाचन करवाया जाएगा |	
	पठन कौशल का विकास	शिक्षिका की सहायता से विद्यार्थी पाठ पढेंगे जिससे पठन कौशल का विकास होगा | वे पाठ के कम से कम पाँच वाक्य धारा प्रवाह से पढ़ने में सक्षम होंगे |	सभी छात्रों से पाठ वाचन करवाया जाएगा	
	लेखन कौशल का विकास	छात्र चार प्रश्नों के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिख पाएँगें | बच्चो द्वारा परिश्रम के बल पर वस्तुओ को प्राप्त करने जैसे –किस्सों के बारे में लिखकर लेखन कौशल बढ़ाना | सभी विद्याथी पाठ के आधार पर अनुच्छेद लेखन /कहानी लेखन /कविता लेखन आदि कार्य करेंगे |		
	शब्द कौशल का विकास	सभी विद्यार्थी पाठ की समाप्ति पर कम से कम पाँच नवीन शब्द जानेंगे जैसे- कंजूस, बाजार, वापस, मौका, मेहनत | सभी विद्यार्थी कम से कम दो वाक्यों का निर्माण करेंगे | जैसे-वापस – बीता हुआ वक़्त कभी वापस नहीं आता |	नवीन शब्दों व वाक्य निर्माण का अभ्यास करवाया जाएगा |	
	विभेदित मूल्यांकन	निमंलिखित मध्यम से छात्रो का मूल्यांकन करना : परिचर्चा – पाठ के आधार पर| लघु प्रशन निर्माण के माध्यम से | कक्षा परीक्षा के माध्यम से| श्रुतुलेख के माध्यम से |	कक्षा परीक्षा द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा | शब्दार्थ ,कठिन शब्द ,वाक्य निर्माण ,प्र./उ.	
	नैतिक मूल्यांकन	शिक्षिका द्वारा विद्यार्थियों को पाठ के माध्यम से मेहनत द्वारा प्रत्येक वस्तु को प्राप्त करने जैस नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया जायेगा |		

	सरल अन्वेषण	विद्यार्थियों का पाठ के माध्यम से लोककथा सुनाते हुए ज्ञानवर्धन कराना । पाठ के माध्यम से जीवन की से परिचित करना । बुद्धि से हर समस्या का समाधान निकाला जा सकता है ,भाव को समझाना | विद्यार्थियों को होशियार और चालाक का फर्क बताना।		सुनी अथवा पढ़ी रचनाओं (हास्य, सामाजिक, साहसिक समस्या का समाधान निकाला जा सकता है भाव कहानी, कविता आदि की विषय वस्तु घटनाओं और पानी शीर्षक आदि के बारे के में बातचीत करते है प्रश्न पूछते है अपनी स्वतंत्रता टिप्पणी देते है अपनी बात के लिए तर्क देते है निष्कर्ष निकलते हैं।